कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में दो दिवसीय अकादमिक प्रबंधन प्रणाली पर आयोजित कार्यशाला का समापन

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर से सम्बद्ध कृषि महाविद्यालय, जोधपुर में दो दिवसीय "अकादमिक प्रबंधन प्रणाली" विषय पर कार्यशाला का आयोजन 04 से 05 अक्टूबर को किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के तहत कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के तीनो महाविद्यालयों (मण्डोर, सुमेरपुर व नागौर), कृषि अनुसंधान संस्थान केन्द्र, मण्डोर एवं कुलपति सचिवालय से जुड़े शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक वर्ग के तैंतीस अधिकारी, कर्मचारी एवं शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. बी. आर. चौधरी, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के द्वारा किया गया। प्रो. चौधरी ने अपने उद्बोधन मे कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के शिक्षकों को अध्ययन–अध्यापन के प्रबंधन मे विश्व स्तर के विश्वविद्यालयों की तरह डिजिटिलाईजेशन के नवाचारों को अपनाने पर जोर दिया। कुलपति महोदय ने बताया कि इस विश्वविद्यालय में सात स्मार्ट व्याख्यान कक्ष स्थापित किये गये हैं जिसका लाभ विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को डिजिटल लर्निंग, ई–लर्निंग एवं व्याख्यान संग्रहण में हो रहा हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. बी. एस. भीमावत, अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष, कृषि महाविद्यालय, जोधपुर ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए अकादमिक प्रबंधन में डिजिटिलाईजेशन के माध्यम से कार्य करने का आग्रह किया। साथ ही भारत सरकार के संस्थान भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस कार्यशाला की शुरूआत राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर से की गयी। कार्यक्रम के दौरान परियोजना नोडल अधिकारी प्रो. उम्मेद सिंह ने इस कार्यशाला में संचालित होने वाली विभिन्न तकनीकी सत्रों में आयोजित होने वाले व्याख्यानों एवं प्रायोगिक अभ्यासों की रूप–रेखा प्रस्तुत कर जानकारी दी। इस कार्यशाला में नई दिल्ली से पधारें परियोजना सलाहकार डॉ. आर. के. ग्रोवर ने अकादमिक प्रबंधन प्रणाली पर विस्तृत प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. बनवारी लाल, डॉ. उमा नाथ शुक्ल एवं डॉ. कैलाश चंद बैरवा ने मुख्य भूमिका निभाई।